खसरा

खसरा रोग क्या है तथा यह कैसे फैलता है?

खसरा एक जानलेवा रोग है जो वायरस से फैलता है। खसरा रोग के कारण बच्चों में विकलांगता या उनकी असमय मृत्यु हो सकती है।

खसरे के लक्षण क्या हैं?

खसरा एक बेहद संक्रामक रोग है। यह इससे प्रभावित व्यक्ति के खाँसने या छींकने से फैलता है। सामान्य तौर पर खसरे के लक्षण हैं – चेहरे तथा शरीर पर गुलाबी लाल दाने या चकत्ते, अत्याधिक बुख़ार, खांसी, नाक बहना और आँखों का लाल हो जाना।

खसरा-रुबैला (एम.आर.) का टीकाकरण किन-किन बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है?

खसरा–रुबैला (एम.आर.) का टीकाकरण खसरा और रुबैला बीमारियों से सुरक्षा प्रदान कराता है। इसके साथ ही, यदि गर्भवती महिलाओं को रुबैला के प्रति प्रतिरक्षित किया जा चुका है तो नवजात शिशु भी कंजेनिटल रुबैला सिंड्रोम (सी.आर.एस.) के प्रति सुरक्षित रहेंगे।

यदि मेरे बच्चे को एम.आर. का टीका पहले से लगाया जा चुका हो तो क्या उसे यह टीका दुबारा लगवाया जाना ज़रूरी है?

हाँ, यदि आपके बच्चे को एम.आर. का टीका पहले से लगाया जा चुका हो तो उसे भी यह टीका एक पूरक खुराक के रूप में लगवाएं जो आपके बच्चे को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करेगा।

क्या इस टीकाकरण से बच्चों में कोई अस्थाई लक्षण दिख सकते हैं ?

अन्य टीकों की तरह कुछ बच्चों में चिन्ता व घबराहट हो सकती है लेकिन इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है।

खसरा रोग कितना गंभीर हो सकता है?

बहुत छोटे बच्चों (5 वर्ष से कम उम्र के) और वयस्कों (20 वर्ष से ज़्यादा उम्र के) के लिए खसरा जानलेवा सिद्ध हो सकता है क्योंकि इसके कारण होने वाले डायरिया, निमोनिया और मस्तिष्क के संक्रमण की वजह से मृत्यु हो सकती है।

क्या खसरे का कोई इलाज है?

इसका कोई निश्चित इलाज नहीं है लेकिन टीकाकरण द्वारा इससे बचाव किया जा सकता है। खसरे से पीड़ित व्यक्ति को आराम करना चाहिए, भरपूर मात्रा में तरल पदार्थ लेना चाहिए और बुख़ार को नियंत्रित रखना चाहिए। खसरा रोग के दौरान मरीज़ को विटामिन–ए की दो खुराक दी जानी चाहिए।

रुबैला

रुबैला के लक्षण क्या हो सकते हैं?

बच्चों में यह रोग आमतौर पर हल्का होता है, जिसमें खारिश, कम डिग्री का बुख़ार, मिचली और हल्के नेत्र–शोथ (कंजेक्टिविटीज़) के लक्षण दिखाई पड़ते हैं। कान के पीछे और गर्दन में सूजी हुई ग्रंथियाँ सबसे विशिष्ट चिकित्सीय लक्षण हो सकते हैं। संक्रमित वयस्क, ज़्यादातर महिलाओं में जोड़ों में पीड़ा हो सकती है। यह वायरस लड़के और लड़कियों – दोनों को संक्रमित कर सकता है।

यदि कोई स्त्री गर्भावस्था के आरम्भ में ही रुबैला वायरस से संक्रमित हो गई हो तो इसका क्या परिणाम होता है?

गर्भावस्था मे आरम्भ में रुबैला वायरस से संक्रमित हो गई स्त्री में जन्मजात रुबैला सिंड्रोम (सी.आर.एस.) विकसित हो सकता है जो उसके गर्भ से पलने वाले भ्रूण और नवजात शिशु के लिए बेहद गंभीर हो सकता है। इनमें से बहुत से रोग जीवनभर के लिए विकलांग बना सकते हैं जिनके उपचार, शल्य चिकित्साओं आदि पर बहुत अधिक धन व्यय करना पड़ता है। इस संक्रमण के कारण गर्भपात, समय पूर्व प्रसव या मृत शिशु का जन्म आदि हो सकता है।

जन्मजात रुबैला सिंड्रोम (सी.आर.एस.) क्या है?

जन्मजात रुबैला सिंड्रोम (सी.आर.एस.) के कारण बहुत से रोग, विशेषकर आँखों (ग्लूकोमा, मोतियाबिन्द), कानों (सुनने की शक्ति ख़त्म होना) मस्तिष्क (माइक्रोसिफ़ली, मानसिक विकास में अवरोध) तथा हृदय को प्रभावित कर सकते हैं। सी.आर.एस. से बचाव इस आयुवर्ग के बच्चों को यह टीका लगवा कर किया जा सकता है।

क्या रुबैला रोग का कोई इलाज है?

रुबैला के उपचार के लिए कोई निश्चित इलाज नहीं है। इस रोग से बचाव के लिए टीकाकरण ही एक मात्र उपाय है।

एम.आर. का टीका कहाँ लगाया जाएगा?

एम.आर. टीकाकरण अभियान के अन्तर्गत यह टीका आपके राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्रों तथा स्कूलों में मुफ़्त लगाया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए ए.एन.एम., आशा या आँगनवाड़ी कार्यकर्ता से सम्पर्क करें।

क्या एम.आर. टीके के कोई दुष्प्रभाव हैं?

एम.आर. टीका एक बहुत सुरक्षित टीका है तथा पिछले 40 वर्षों से इसका उपयोग किया जा रहा है। भारत के अलावा संसार के अन्य कई देश भी अपने करोड़ों बच्चों की सुरक्षा के लिए इसका प्रयोग कर रहे हैं।

सामान्य पूछे जाने वाले प्रश्न

किस आयुवर्ग के बच्चों को यह टीका लगाया जाएगा?

राष्ट्रीय एम.आर. अभियान के अन्तर्गत यह टीका 9 माह से 15 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों को सिंगल शॉट के रूप में लगाया जाएगा।

इस अभियान में 9 माह से लेकर 15 वर्ष तक के बच्चों को ही यह टीका क्यों लगाया जाएगा?

यह देखा गया है कि हमारे देश में खसरा–रुबैला के अधिकतर मामले 15 वर्ष तक के बच्चों में पाए गए हैं। यही कारण है कि इस अभियान में बच्चों के इस आयु वर्ग को लक्ष्य बनाया गया है।

यह अभियान कहाँ चलाया जाएगा?

यह अभियान सभी स्कूलों, समुदायों, सरकारी अस्पतालों तथा स्वास्थ्य केन्द्रों पर चलाया जाएगा जहाँ 9 माह से 15 वर्ष तक के बच्चों को टीकाकरण का लक्ष्य बनाया गया है। आपके स्कूल के इस आयुवर्ग के सभी बच्चों को इस अभियान में भाग लेना होगा।

क्या टीकाकरण स्थल पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध होगी?

सभी बच्चों का टीकाकरण प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाएगा। सभी टीकाकरण सत्रों में, चाहे वे स्कूल में हों या आउटरीच सत्रों में, किसी भी प्रतिकूल स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा टीम नज़दीकी स्वास्थ्य केन्द्र में उपलब्ध होगी।

किन बच्चों का टीकाकरण नहीं किया जाएगा?

निम्न श्रेणी के बच्चों का टीकाकरण नहीं किया जाएगा –

- उन्हें अत्यधिक बुख़ार या अन्य गंभीर बीमारी (जैसे बेहोशी, दौरे पड़ना) हो
- वे अस्पताल में भर्ती हों
- उन्हें पहले कभी खसरा–रुबैला के टीके से गंभीर एलर्जी होने की आशंका हो

खसरा-रुबैला टीकाकरण स्वास्थ्य केन्द्रों के स्थान पर स्कूलों में क्यों किया जा रहा है?

एम.आर. अभियान सभी जगहों – स्कूलों, अस्पताल एवं स्वास्थ्य केन्द्रों – पर चलाया जाएगा। चूंकि 9 माह से 15 वर्ष तक के आयुवर्ग में अधिकतर बच्चे स्कूल जाते हैं इसलिए टीकाकरण अभियान स्कूलों में भी चलाया जाएगा। स्कूल न जाने वाले बच्चों को समुदाय में आउटरीच गतिविधि के माध्यम से टीकाकृत किया जाएगा।

अगर किसी बच्चे को खसरा/एम.आर./एम.एम.आर. का टीका लग चुका है तो क्या उसे दोबारा से एम.आर. का टीका लगाना ज़रूरी है?

हाँ, यह महत्वपूर्ण है कि 9 माह से 15 वर्ष तक के सभी बच्चों को इस अभियान में यह टीका लगवाया जाए बशर्ते किसी बच्चे को पहले कभी इस टीके द्वारा कोई समस्या न हुई हो। अभियान में दी जाने वाली खुराक नियमित टीकाकरण की खुराक के अतिरिक्त है। यह अतिरिक्त सुरक्षा प्रभावित जनसंख्या को इन रोगों से दूर रहने में मदद करेगी।

यदि किसी बच्चे को इस अभियान में एम.आर. का टीका न दिया जाए तो क्या होगा?

यदि बच्चे को एम.आर. का टीका न दिया जाए तो बच्चे को खसरा व रुबैला रोग होने का ख़तरा बना रहेगा। बच्चे को इस अभियान में टीका दिया ही जाना चाहिए, भले ही उसे पहले से एम.आर./एम.एम.आर. का टीका दिया जा चुका हो। यह उसे खसरा व रुबैला रोग के प्रति स्वस्थ रखेगा।

इस टीकाकरण अभियान में दिए जाने वाला एम.आर. का टीका कितना सुरक्षित है? क्या यह टीका बाकी देशों में भी दिया जा रहा है?

एम.आर./एम.एम.आर. का टीका, जो पिछले 40 वर्षों से दुनियाभर में दिया जा रहा है, पूर्णतः सुरक्षित और प्रभावी है। हमारे देश में भी निजी चिकित्सक एम.आर./एम.एम.आर. का टीका पिछले कई वर्षों से बच्चों को दे रहे हैं। वर्तमान में दुनियाभर के 149 देशों में एम.आर./एम.एम.आर. का टीका दिया जा रहा है।

स्कूली बच्चों के टीकाकरण के दौरान माता-पिता की उपस्थिति के लिए क्या योजनाएँ हैं?

स्कूलों में बच्चों का टीकाकरण शिक्षकों की उपस्थिति में किया जाएगा। फिर भी, यदि माता–पिता चाहें तो टीकाकरण के समय वे अपने बच्चे के साथ रह सकते हैं।

एक राष्ट्रव्यापी अभियान के अन्तर्गत खसरा तथा रुबैला के प्रति सुरक्षा प्रदान करने के लिए खसरा-रुबैला (एम.आर.) का एक टीका स्कूलों तथा आउटरीच सत्रों में आरम्भ किया जाएगा। इस एम.आर. टीके को बाद में नियमित टीकाकरण में शामिल कर लिया जाएगा। यह महत्वपूर्ण है कि इस अभियान के अन्तर्गत 9 माह से 15 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों को यह टीका लगाया जाएगा, भले ही पहले उन्हें एम.आर/एम.एम.आर. का टीका दिया जा चुका हो।

खसरा-रुबैला (एम.आर.) टीकाकरण अभियान में एक शिक्षक के रूप में आपकी भूमिका

टीकाकरण से पहले स्कूल में टीकाकरण के प्रति सकारात्मक व उत्साह वर्धक माहौल बनाने में आपकी एक अहम भूमिका है

1

- सभी प्रशिक्षण/जागरुकता कार्यक्रमों में भाग लें

2
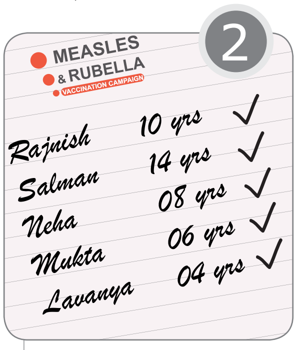

- जिन बच्चों का टीकाकरण होना हो उनकी सूची तैयार करें

3

- अभियान के लिए समय व स्थान तय करने में ए.एन.एम. को सहयोग दें

4

- प्रत्येक विद्यार्थी को उसके अभिभावकों के लिए खसरा–रुबैला सूचना पत्र दें

5 सूचित एवं जागरूक करें

अभिभावकों के बीच

पेरेंट्स–टीचर्स मीटिंग का आयोजन करें :

- अभिभावकों की शंकाओं का समाधान करें
- यदि आवश्यक हो तो इसके लिए क्षेत्र के सम्बन्धित चिकित्सा कर्मी से उनकी बातचीत कराएँ

- टीकाकरण की तिथियों व स्थल की सूचना व्हाट्स–ऐप, ई–मेल, एस.एम.एस., पत्र व स्कूल की वेबसाइट द्वारा भी उन तक पहुँचाएँ

बच्चों के बीच

- विद्यार्थियों को सूचित करें कि वे टीकाकरण से पहले अपना नाश्ता कर लें (ख़ाली पेट न हों)
- स्कूल में खसरा व रुबैला से सम्बन्धित प्रतियोगिता या चित्रकला प्रदर्शनियों का आयोजन करें

खसरा-रुबैला (एम.आर.) के टीकाकरण अभियान में एक शिक्षक के रूप में आपकी भूमिका

टीकाकरण के दौरान आप अवश्य सुनिश्चित करें कि टीकाकरण के लिए एक आचरण युक्त वातावरण बना रहे

कृपया सुनिश्चित करें कि आप टीकाकरण स्थल पर उपस्थित हैं –

» टीकाकरण हेतु एक सहायक वातावरण बनाने के लिए
» अभिभावकों की जिज्ञासाओं को शान्त करने के लिए
» यदि आवश्यक हो तो अभिभावकों की सुविधा के लिए

यदि अभिभावक कोई प्रश्न पूछें तो स्पष्ट रूप से उन्हें उत्तर दें

यदि अभिभावक टीकाकरण स्थल पर आना चाहें तो कृपया उन्हें अनुमति दें

खसरा-रुबैला (एम.आर.) के टीकाकरण अभियान में एक शिक्षक के रूप में आपकी भूमिका

टीकाकरण के बाद आप सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा अपने टीकाकरण के बाद 30 मिनट तक निगरानी में आराम करे

- बच्चा आरामदायक महसूस करे, इसलिए उसे हल्का नाश्ता/पानी उपलब्ध कराएँ

- यदि किसी बच्चे को बुख़ार या आँखों में लालिमा इत्यादि लक्षण हों तो सुपरवाइज़र या ए.एन.एम. को सूचित करें

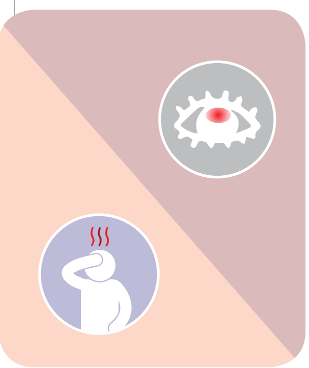

- यदि विद्यार्थी कुछ ज्यादा कमज़ोर या थका हुआ महसूस करे तो चिकित्साधिकारी/ए.एन.एम./स्कूल नर्स को सूचित करें। उसके पैरों को थोड़ा–सा ऊँचा करके उसे लिटा दें या उसके घुटनों के बीच सिर झुका कर उसे बिठा दें